दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 86
मुरादाबाद
16 July 2025
(Wednesday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

ड्रैगन कैप्सूल से बाहर आए शुभांशु शुक्ला, 18 दिन की अंतरिक्ष यात्रा हुई पूरी

भारत का बेटा शुभांशु शुक्ला 20 दिन अंतरिक्ष में और 18 दिन अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताने के बाद आज धरती पर सकुशल लौट आया है। शुंभाशु शुक्ला और क्रू के अन्य सदस्यों को लेकर ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का कैप्सूल प्रशांत महासागर में उतरा। शुभांशु शुक्ला का यान सोमवार शाम करीब 4.45 बजे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अनडॉक हुआ था। यह पूरे देश के लिए बहुत गौरव का क्षण- शुचि मिश्रा भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की बहन शुचि

मिशन पूरा कर धरती पर लौटे कैप्टन शुभांशु शुक्ला, मां बोलीं- शब्दों में बयान नहीं कर सकती ये खुशी

मिश्रा ने कहा, %वो वापस आ गए हैं। यह पूरे देश के लिए बहुत गौरव का क्षण है...हम बहुत उत्साहित हैं%।वहीं भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा, %मैं इस चीज को शब्दों में बयान नहीं कर सकती हूं। जब लैंड हो रहा था तब बस थोड़ा डर लगा था लेकिन सब अच्छे से हो गया है ईश्वर साथ में हैं, उन्होंने उसे वहां पहुंचाया था और उन्होंने ही उसे सुरक्षित लैंड कराया है%।वहीं केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत ने आज अंतरिक्ष की दुनिया में सचमुच एक स्थायी स्थान प्राप्त कर लिया है। यह भारत के लिए गौरव का क्षण है क्योंकि हमारा एक यशस्वी पुत्र सफल यात्रा पूरी करके वापस लौट रहा है%।भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ड्रैगन कैप्सूल से बाहर आ गए हैं।

इसके साथ ही उनकी 18 दिन की अंतरिक्ष यात्रा पूरी हो गई है।लखनऊ निवासी अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के यान की कैलीफोर्निया के तट पर सुरक्षित लैंडिंग देख उनके माता-पिता भावुक हो गए। माता-पिता ने कहा कि यह हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है।भारतीय सेना के ग्रुप कैप्टन लखनऊ निवासी शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अपना मिशन पूरा कर वापस लौट आए हैं। मंगलवार को अपराह्न तीन बजे उनका यान कैलीफोर्निया के तट पर उतरा। अंतरिक्ष यान के सकुशल लैंड करते ही उनके माता-पिता भावुक हो गए। उन्होंने इस दौरान लैंडिंग का सजीव प्रसारण देखा। लखनऊ के सीएमएस स्कूल में पहले से ही इसके लिए इंतजाम किए गए थे। शुभांशु की मां आशा देवी और पिता शंभू दयाल शुक्ला भावुक हो गए। मां बोलीं ये हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है।बहन शुचि मिश्रा ने कहा, वो वापस आ गए हैं। यह पूरे देश के लिए बहुत गौरव का क्षण है...हम बहुत उत्साहित हैं।शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा, मैं इस चीज को शब्दों में बयान नहीं कर सकती हूं। जब लैंड हो रहा था तब बस थोड़ा डर लगा था लेकिन सब अच्छे से हो गया है ईश्वर साथ में हैं, उन्होंने उसे वहां पहुंचाया था और उन्होंने ही उसे सुरक्षित लैंड कराया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है।

शुक्लाजी की जगह दलित, OBC को भेजा जा सकता था, कांग्रेस नेता उदित राज का बेतुका बयान

शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर गए थे। उनकी वापसी पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि पहले राकेश शर्मा अंतरिक्ष में गए थे, तब एससी-एसटी और ओबीबी इतने पढ़े लिखे नहीं थे। अब किसी दलित,ओबीसी को भी शुभांशु शुक्ला की जगह भेजा जा सकता था। एक्सिओम-4 मिशन को पूरा करके अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से वापस लौट रहे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज ने बेतुका बयान किया। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि पहले राकेश शर्मा अंतरिक्ष में गए थे, तब एससी-एसटी और ओबीबी इतने पढ़े लिखे नहीं थे। अब किसी दलित,ओबीसी को भी शुभांशु शुक्ला की जगह भेजा जा सकता था।

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि मैं उनको शुभकामनाएं देता हूं कि वे सुरक्षित लौटें। उन्होंने वहां जो ज्ञान अर्जित किया है, उसे यहां बिखेरें। लोग उससे लाभान्वित हों। यह मानवता के लिए लाभकारी है। कांग्रेस नेता बोले कि पहले जो राकेश शर्मा भेजे गए थे, उस समय एससी-एसटी, ओबीसी इतने पढ़े-लिखे नहीं थे। इस बार मुझे लगता है कि दलित को भेजने की बारी थी...ऐसा नहीं है कि नासा ने कोई परीक्षा ली और फिर चयन हो गया। किसी दलित,ओबीसी को भी शुभांशु शुक्ला की जगह भेजा जा सकता था। शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत 25 जून को तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए।

अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचने वाले शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं। शुभांशु ने आईएसएस पर 18 दिन बिताए और इस दौरान वहां कई रिसर्च कार्य किए। शुभांशु शुक्ला की मंगलवार को धरती पर वापसी हुई। अंतरिक्ष में 18 दिन शुभांशु शुक्ला ने क्या किया ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने 18 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताए। इस दौरान उन्होंने 60 प्रयोगों को अंजाम दिया, जिनमें से सात प्रयोग इसरो के थे। शुभांशु अपने साथ 263 किलो वैज्ञानिक सामान लेकर धरती पर लौट रहे हैं, जिससे भविष्य में अंतरिक्ष कार्यक्रमों को बड़ी मदद मिल सकती है। साल 2027 में इसरो अपना पहला मानव मिशन गगनयान लॉन्च करेगा। ऐसे में शुभांशु शुक्ला का यह मिशन इसरो के लिए बेहद अहम है। शुभांशु शुक्ला को एक्सिओम-4 मिशन पर भेजने के लिए भारत ने 550 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

कांवड़ यात्रा पथ पर दुकानों में अनिवार्य क्तक्रकोड मामले में अदालत सख्त, यूपी से 22 तक मांगा जवाब

उत्तर प्रदेश सरकार ने 25 जून को जारी निर्देश में कहा था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर बनी दुकानों के मालिकों को अपनी पहचान बताने के लिए दुकान पर क्यूआर कोर्ड प्रदर्शित करना जरूरी होगा। निर्देश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।कांवड़ यात्रा मार्ग पर बनी दुकानों पर क्यूआर कोड लगाने और दुकान मालिकों की पहचान उजागर करने के उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। साथ ही 22 जुलाई तक जवाब मांगा है।जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी सरकार से जवाब तलब किया है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल भी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश द्वारा जारी कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित भोजनालयों को अपने मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के निर्देशों पर रोक लगा दी थी।सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान 25 जून को यूपी सरकार द्वारा जारी निर्देश का हवाला देते हुए शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा ने कहा कि नए निर्देश के तहत कांवड़ मार्ग पर बने सभी भोजनालयों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य है। इससे दुकान मालिकों के नाम और पहचान का पता चले।

65 दिनों में 22 बार ट्रंप ने लिया संघर्ष विराम का श्रेय, जयराम रमेश ने पीएम की चुप्पी पर सवाल उठाए

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 65 दिनों में कुल 22 बार भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लिया है। उन्होंने ट्रंप के दावों का खुले तौर पर खंडन न करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की लगातार आलोचना की है।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय कई बार लिया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने यह दावा 65 दिनों में 22 बार किया है। महासचिव ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलावर को इससे संबंधित पोस्ट किया है। प्रधानमंत्री मोदी पर लगाए आरोप जयराम रमेश ने हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप के दावों का खुले तौर पर खंडन न करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की लगातार आलोचना की है। रमेश की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ट्रंप ने सोमवार को नाटो के महासचिव मार्क रूट के साथ बैठक के दौरान दोबारा यही दावा किया। ट्रंप ने क्या कहा?- ट्रंप ने कहा कि हम युद्धों को सुलझाने में बहुत सफल रहे हैं। भारत और

पाकिस्तान में जिस तरह के हालात थे, उससे तो दोनों देश एक हफ्ते में ही परमाणु युद्ध में उलझ जाते। यह बहुत बुरी तरह से चल रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्यापार को लाभ के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी रणनीति की ओर इशारा करते हुए आगे कहा कि हमने व्यापार के जरिए ऐसा किया। मैंने कहा था कि जब तक आप इस मामले को सुलझा नहीं लेते हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे और उन्होंने ऐसा किया। 8 जुलाई को जब डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकार से बातचीत के दौरान यही दावा किया था, तो जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। रमेश ने कहा था कि पीएम ने इसका जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने यह सब ठीक उसी समय कहा जब वह भारत और पाकिस्तान के साथ अमेरिकी व्यापार समझौते को लेकर बातचीत कर रहे थे।

सेना पर टिप्पणी का मामला : लखनऊ कोर्ट में राहुल गांधी ने किया समर्पण, सुनवाई के बाद मिल गई जमानत

भारतीय सैनिकों पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में कोर्ट में पेश होने के लिए सांसद राहुल गांधी लखनऊ पहुंचे। उन्होंने एमपी-एमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। मामले में सुनवाई के बाद उन्हें जमानत दे दी गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ सेना पर टिप्पणी मामले में दर्ज केस की सुनवाई मंगलवार को लखनऊ के एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई। कोर्ट में आत्मसमर्पण करने के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने राहुल को हिरासत में लिया। इसके बाद जमानत अर्जी पर सुनवाई शुरू

हुई। सुनवाई के बाद 20-20 हजार की दो मुचलकों पर उन्हें जमानत दे दी गई। यह मुकदमा उन पर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों पर अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में मुकदमा चल रहा है।एमपी-एमएलए विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मानहानि मामले में दायर शिकायत का संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को आरोपी के रूप में तलब किया है। कांग्रेस नेता ने समन के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में याचिका दायर की थी लेकिन उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली। बता दें कि यह मानहानि की शिकायत बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने दायर की थी। यह मामला फिलहाल लखनऊ की एक अदालत में लंबित है। शिकायत में दावा किया गया कि राहुल गांधी ने 16 दिसंबर 2022 को अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। यह टिप्पणी 9 दिसंबर 2022 को भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प से जुड़ी थी। शिकायत के अनुसार कि राहुल ने बार-बार अपमानजनक तरीके से कहा था कि चीन की सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों को पीट रही है और भारतीय प्रेस इस संबंध में कोई सवाल नहीं पूछेगा। लखनऊ की अदालत ने पहली नजर में माना था कि राहुल के बयान से भारतीय सेना और उससे जुड़े लोगों और उनके परिवारों का मनोबल कम हुआ है। इस मामले में अदालत ने राहुल को पेश होने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

जिन्हें रक्षा करनी थी, वही..., आत्मदाह के बाद छात्रा की मौत पर राहुल गांधी

ओडिशा के बालासोर स्थित फकीर मोहन स्वायत्तशासी महाविद्यालय में यौन उत्पीड़न से क्षुब्ध होकर आत्मदाह करने वाली छात्रा का सोमवार देर रात को निधन हो गया था। उसने एम्स भुवनेश्वर में अंतिम सांस ली।

छात्रा ने शनिवार 12 जुलाई को एचओडी पर आरोप लगाया था कि शिक्षक ने उसका यौन और मानसिक उत्पीड़न किया था। ओडिशा के बालासोर में यौन उत्पीड़न से परेशान होकर छात्रा के आत्मदाह करने पर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रा की मौत को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। जबकि ओडिशा के राज्यपाल ने छात्रा की मौत पर संवेदना जाहिर की है। उन्होंने शैक्षिक संस्थानों में सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया है। वहीं ओडिशा के सीएम ने 20 लाख रुपये के मुआवजे का एलान किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि ओडिशा में इंसाफ के लिए लड़ती एक बेटी की मौत सीधे-सीधे भाजपा के सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के

खिलाफ आवाज़ उठाई, लेकिन न्याय देने के बजाय, उसे धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया, बार-बार अपमानित किया गया।राहुल गांधी ने कहा कि जिन्हें उसकी रक्षा करनी थी, वही उसे तोड़ते रहे। हर बार की तरह भाजपा का सिस्टम आरोपियों को बचाता रहा और एक मासूम बेटी को खुद को आग लगाने पर मजबूर कर दिया। ये आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा संगठित हत्या है। ओडिशा हो या मणिपुर, देश की बेटियां जल रही हैं, टूट रही हैं, दम तोड़ रही हैं। और आप खामोश बैठे हैं? राज्यपाल ने दी श्रद्धांजलि- ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने भी छात्रा की मौत पर श्रद्धांजलि दी। उन्होने कहा ट्वीट में लिखा कि फकीर मोहन स्वायत्त महाविद्यालय की एक छात्रा की असामयिक मृत्यु की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। उसका निधन सिर्फ एक त्रासदी नहीं है। यह हमारे परिसरों की सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता की एक स्पष्ट चेतावनी है। कानून अपना सबसे कठोर कदम उठाएगा। जिम्मेदार लोगों को कठोरतम सजा मिलेगी। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। असहनीय पीड़ा की इस घड़ी में उन्हें शक्ति मिले। सरकार ने किया मुआवजे का एलान- ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को कॉलेज छात्रा के परिवार को 20 लाख रुपये का मुआवजा देने का एलान किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, माझी ने संबंधित अधिकारियों को घटना की उचित जांच करने का निर्देश दिया ताकि सभी दोषियों को कानून के अनुसार दंडित किया जा सके।

संपादकीय Editorial

Illegal taxi stands

Recently, the Hon'ble High Court has given instructions to remove illegal taxi stands from the state's highways within four weeks. The PIL gave clear instructions to remove the taxi stands erected at Chhota Shimla, Kusampti, Auckland, Sanjauli College, Dhali Chowk, Lakkad Bazaar and many other places in Shimla. It is the need of the hour that we save the narrow roads of Himachal from being obstructed. The prestige of almost every town, city, intersection and tourist spot in the state is a victim of illegal parking, where taxis, Volvo buses, cargo and school vehicles play their respective roles. Neither rules nor plans have been made for parking in Himachal. Taxis got permits, but the legality of their operation was not regulated. Driving licenses were made, but no arrangement for traffic management was made. Volvo buses became associated with tourist places in no time, but neither the roads were improved nor proper arrangements were made for their parking. No framework was made to keep the markets away from vehicles. People united, taxi owners' associations were formed, but neither the fare nor their parking space was fixed. They pitched their tents wherever they wanted. By the way, if the honourable High Court connects the district level court complexes with parking, then neither the lawyer's vehicle nor the client gets a place to come and go. In such a situation, there is a parking on the roads outside the courts which is completely illegal. There are many buildings, business complexes, government offices, markets, vegetable markets, temple complexes, bus stops and bus stations in the state, where vehicles are necessary to reach, but there is not even two yards of land for parking. The surprising thing is that even in cities, the maps of houses are not checked and in this way, as soon as every house is inhabited, one or two vehicles are left on the road. Not only this, the traders sitting in houses or shops have set up a market of old vehicles on the roads. The surprising thing is that even where there is parking, their rates are like electric current. If Shimla and Dharamshala have become hubs of vehicles in the name of becoming smart cities, then this matter should be investigated. This issue is not only about parking, but also about the operation of public, urban transport and tourism transport. It is about developing civic amenities in a new character of transport. The business class will have to keep the charm of the market away from illegal parking system, discipline the tourism sector to take it from a pile of taxis to new concerns and connect private vehicles with the way of use instead of display. First of all, a lump sum parking fee should be collected with the registration of every vehicle. Even if this amount is five to ten thousand per vehicle, a large amount can be available for parking infrastructure in lieu of 25 lakh registered vehicles. A lump sum green tax will be levied for outside vehicles and they will have to be stopped at mega parking places ten kilometers before major tourist, religious, business and administrative cities, from where the journey can be made through ropeway, electric buses or electric carts. Every city should develop at least four big grounds in its area and make efforts towards organizing major cultural, political and other activities and efficient operation of parking. Taxi and Volvo bus stands should also be built in every city for local transport. There is a need to strengthen the future framework in urban development plans from the transport point of view. By ignoring the Himachal TCP Act, we are making development on our land illegal. Floods or natural disasters are gossiping that the TCP law remained idle and now the court is also indirectly saying that progress does not mean that the roads should be filled with illegal vehicles.

Battle over fake voters, strictness will have to be taken against infiltration

It is also not hidden from anyone that infiltration is taking place from Bangladesh and Myanmar. Many state governments are not only turning a blind eye to this infiltration but are also hell bent on making the infiltrators their voters. Even if the central government does not implement the National Register of Citizens-NRC, it will have to be strict against infiltration. During the verification of the voter list in Bihar, it is a matter of serious concern that the representatives of the Election Commission got such indications that people from Nepal, Bangladesh and Myanmar have also obtained documents like Aadhaar, become voters in the state. This is not only a tampering with the election process, but is also dangerous for national security. The matter of concern is that the number of such people can be in lakhs. People from Nepal, Bangladesh and Myanmar have also obtained documents like Aadhaar, ration card. After this, they could not be stopped from registering as voters. It is good that the Election Commission decided that after intensive revision, the names of such people will be removed from the voter list. This is not only necessary but also mandatory. It is equally essential that the Election Commission should stick to its decision to run a nationwide voter list verification campaign. It is obvious that the opposition parties will raise a hue and cry over such a campaign and will make absurd allegations that the Election Commission is working at the behest of the Modi government and playing with democracy. By objecting to the Election Commission's decision in the case of Bihar, the opposition parties have exposed themselves. Whatever they may say to mislead people, the truth is that they have shown that they want to conduct elections on the basis of old and flawed voter lists. I don't know how and why they reached the conclusion that those who are not valid voters are their voters? In the process of revision of voter lists across the country, cases like Bihar can be seen in other states as well. The Election Commission can remove the names of people who have come illegally from neighboring countries and especially Bangladesh, Myanmar etc. and settled in India and become voters, but only the Union Home Ministry can take any concrete action against such people. It should do this work on priority basis. India is not a Dharamshala where people from other countries come as intruders or refugees and then by obtaining various documents in an improper manner become voters here. Many such people have already become voters i.e. Indian citizens in states like West Bengal, Assam etc. It is also not hidden from anyone that infiltration is taking place from Bangladesh and Myanmar. Many state governments are not only turning a blind eye to this infiltration, but are also adamant on making intruders their voters. Even if the central government does not implement the National Register of Citizens-NRC, it will have to be strict against infiltration.

The question of retirement, why is Mohan Bhagwat's statement being discussed so much

It is a fact that the politics of dynasty politics is not coming to an end in our country. What is even more strange is that now it is being defended. Dynastic politics does not strengthen democratic values and beliefs. In our country, even leaders above the age of 60 are called young and the participation of youth in politics is not as it should be. There is a lot of discussion about the statement of Rashtriya Swayamsevak Sangh chief Mohan Bhagwat that 75 years means retirement, but these are not his words. He was referring to a statement of the late RSS leader Moropant Pingle while releasing a book based on his life. It is clear that on the basis of this it would not be right to say that the Sangh chief was giving any political message to Prime Minister Modi. Anyway, if Modi is going to be 75 years old, then so is Mohan Bhagwat himself. Remembering Moropant Pingle, the RSS chief also said that when you are draped with a shawl on turning 75, you should retire. From what Mohan Bhagwat said, it is not clear whose retirement he was trying to highlight - political people or non-political people. This is not the first time that a discussion has been started on the age of retirement from politics. This has happened before as well. In the past, many leaders have voluntarily retired from politics after 75-80. Many such leaders were either engaged in social service or studies. Now such leaders are rare. There are many examples of such leaders who do not even think of retiring. No age limit can be fixed for retirement from politics or any other field of life. If a particular person is active, is able to fulfill the aspirations of the people and his popularity is also intact, then he can continue doing his work. There are such people in politics and other fields, who are doing their work properly even after 75-80. Along with this, it is also true that there are some leaders who cannot give up the lure of politics or power. It cannot be ignored that many leaders became governors and then returned to active politics. Similarly, some leaders promoted family members before reducing their own political activism. There are many parties in our country in which the sons and daughters, grandchildren etc. of the second and third generation have become politically active and influential. This is rarely seen in developed democratic countries. It is a fact that the politics of dynasty is not coming to an end in our country. What is even more strange is that now it is being defended. Dynastic politics does not strengthen democratic values and beliefs. In our country, even leaders above the age of 60 are called young and the participation of youth in politics is not as it should be.

Instead of burden, laws should increase ease, old rules and regulations should be made easier and new digital methods should be adopted

In today's information-rich era, consumers themselves are quite vocal and raise their voice on the internet media platforms. Despite this, some people do not refrain from cheating, to deal with whom legal strictness is necessary. In this context, an easy way could be that an investigation should be started on the customer's complaint or the officials should buy some goods from the market and check its weight or measurement. In 2016, the giant fashion brand H&M had to pay a heavy price for declaring the measurement of a sweater as 122 cm instead of 1.22 m. Due to this, a criminal case was registered against it. Similarly, Britannia was also prosecuted under the Metrology Law, i.e. the law related to measurement, for writing '120 packs' instead of 120 N or 120 U on a bulk box. ITC had to fight a legal battle for six years in Madhya Pradesh for violating labeling rules, because it wrote a simple phrase 'When packed' on the packet of tur dal, which did not fall under the prescribed rules. These are some examples, which show the unnecessary burden on the law and order due to the complexities of metrology laws. This can be gauged from the fact that in 2021-22 itself, 35,840 cases were registered due to uncertified weight and measure. The basic objective of the Metrology Act i.e. 'Legal Metrology Act' is to protect the interests of consumers, so that it can be ensured that the weight and measurement of goods is correct. This law ensures that when you buy something, you get the same quantity or measurement of the item as written on the packet. Cases of labeling of pre-packed goods also come under this. Such as product name, weight and manufacturer's information etc. Under this law, it is also mandatory for businesses that make, sell, import or repair weighing and measurement equipment to obtain a license. Even if a business does not have any wrong intention, this law puts a big burden on businesses. We have tried to present some challenges and their solutions in this context. First, our current labelling requirements are extremely complex and the existing rules contain very minute instructions. For example, the size of digits, height and width of words and size of the label etc. We should use practical parameters instead of the prescribed requirements related to the size of digits, words, percentage of packaging cover etc. For example, the label should be clearly marked, prominently visible and easily readable and if detailed information is required, it can be linked to a quick-response i.e. QR code. This is also done in some electronic products and medicines, so that customers can get the right information. Second, for products for which the metric system is not commonly used, other uses should be accepted. Not doing so creates confusion. For example, for laptops and mobiles, the measurement should be given in centimeters as per the law, but the trend is to give the measurement in inches. In such a situation, if a product is commonly measured in non-metric units, then their use should be allowed. Currently, about 10 per cent of the total violations registered under the Legal Metrology Act involve the use of non-standard units, which puts a strain on the law and order situation. Third, the Act still provides for criminal penalties for many violations. This allows officials to exert pressure for unfair advantage and increases difficulties for businesses. Therefore, any violation of the Act should be taken out of the criminal category. Although the Public Trust Act has limited the scope of punishment, there is still a provision for imprisonment of up to one year for minor offenses.

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का आयोग द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार वृहद पुनरीक्षण कराए जाने के निर्देश दिए

मा0 राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0 की अधिसूचना दिनांक 11 जुलाई 2025 के द्वारा दिए गये गये निर्देशों के अनुपालन में जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुज सिंह ने जनपद मुरादाबाद में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का आयोग द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार वृहद पुनरीक्षण कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि 18 जुलाई 2025 से 13 अगस्त 2025 तक किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति व विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिन्ट करने की कार्यवाही बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन, उन्हें तत्संबंधी जानकारी देना, प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि का विवरण दोनों कार्यवाही पृथक-पृथक तथा समानान्तर चलेगी। दिनांक 14 अगस्त 2025 से 29 सितम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करने की अवधि (01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाएंगे) ऑनलाइन आवेदन करने की अवधि 14 अगस्त 2025 से 22 सितम्बर 2025 तक है।

ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जांच करने की अवधि 23 सितम्बर 2025 से 29 सितम्बर 2025 तक है। निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि 30 सितम्बर 2025 से 06 अक्टूबर 2025 तक है। ड्राफ्ट नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के पाण्डुलिपि तैयार करना (निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही की तिथि 07 अक्टूबर 2025 से 24 नवम्बर 2025 तक है।

निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमाकंन, मतदाता क्रमाकंन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटोप्रतियों कराने आदि की तिथि 25 नवम्बर 2025 से 04 दिसम्बर 2025 तक है। अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन की तिथि 05 दिसम्बर 2025 है। आलेख्य के रुप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण की तिथि 06 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक है। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की तिथि 06 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक है (01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार किए जाएंगे।

दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण की तिथि 13 दिसम्बर 2025 से 19 दिसम्बर 2025 तक है। दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार करने, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय में जमा करने की अवधि 20 दिसम्बर 2025 से 23 दिसम्बर 2025 तक है। दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही की तिथि 24 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक है। पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमाकंन, मतदाता क्रमाकंन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग , फोटो प्रतियां कराने आदि की तिथि 09 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक है। निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन की तिथि 15 जनवरी 2026 है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाये तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त संबंधित कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी कार्यक्रम प्रदर्शित किया जाये। निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे तथा समय सारणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जाये। किसी भी परिस्थिति में समय सीमा नही बढ़ाई जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा संबंधित उपजिलाधिकारी को सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा संबंधित तहसीलदार को अतिरिक्त सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और संबंधित खण्ड विकास अधिकारी को समन्वयक अधिकारी नामित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

अमरोहा व मुरादाबाद में 6 ठिकानों पर पहुंची आयकर टीम चंदे की फर्जी रसीदों से घोटाले की सूचना पर आयकर विभाग का छापा

मुरादाबाद- राजनीतिक दलों को चंदे की फर्जी रसीदें जारी कर टैक्स छूट दिलाने के बड़े खेल का भंडाफोड़ करते हुए आयकर विभाग ने सोमवार को मुरादाबाद और अमरोहा जनपद में एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई आयकर महानिदेशालय के निर्देश पर की गई, जिसका नेतृत्व मुरादाबाद में तैनात सहायक निदेशक (जांच) कुनाल गुरुरानी कर रहे थे। मुरादाबाद में बुद्धि विहार, लाइनपार रामलीला ग्राउंड के पास, कंजरी सराय सहित कुल चार स्थानों पर छापेमारी की गई। वहीं अमरोहा में अमरोहा शहर और गजरौला के दो ठिकानों पर भी जांच दल पहुंचे। कुल मिलाकर छह स्थानों पर आयकर विभाग की टीमें एक ही समय पर सुबह करीब 6 बजे पहुंचीं।यह कार्रवाई राजनीतिक दलों को दान में दी गई रकम की आड़ में फर्जी रसीदों के माध्यम से टैक्स चोरी करने वालों के खिलाफ की गई है। विभाग को लंबे समय से इस फर्जीवाड़े की शिकायतें मिल रही थीं। बताया गया कि कुछ स्थानों पर जांच शाम 8 बजे तक पूरी हो गई, जबकि अन्य पर देर रात तक छानबीन जारी रही। टीमों ने दस्तावेज, डिजिटल डाटा और लेनदेन के रिकॉर्ड कब्जे में लिए हैं, जिनकी गहन जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद बड़े खुलासे संभव हैं। आयकर विभाग की यह कार्रवाई आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है।

हिंदू युवती का जबरन धर्मांतरण, नाजिम ने डराकर बनवाया वीडियो... फिर करवाया वायरल, अब एक्शन में पुलिस

डिलारी क्षेत्र से लापता हिंदू युवती पुलिस ने दिल्ली से बरामद कर लिया। इसके साथ ही उसको ले जाने के आरोपी नाजिम को हिरासत में ले लिया गया है। छात्रा ने बयान में कहा कि आरोपी ने उसे धमकी देकर वीडियो तैयार करवाया था। युवती को परिजनों के हवाले कर दिया गया है। दिल्ली में आरोपी नाजिम के चंगुल से बचाई गई युवती के सोमवार को पुलिस ने कोर्ट में बयान दर्ज कराए। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता को परिजनों को सौंप दिया। पुलिस बयानों का अवलोकन करने के बाद आगे की कार्रवाई करेगी। मुस्तफापुर बढेरा निवासी नाजिम हिंदू युवती को बहलाकर अगवा कर दिल्ली ले गया था।नाजिम पर आरोप है कि उसने युवती का जबरन धर्म परिवर्तन करा दिया है। आरोपी ने युवती का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसमें युवती बोल रही है कि वह मर्जी से गई और उसने धर्म परिवर्तन कर लिया है। घटना की जानकारी होनेपर परिजनों ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया था।शनिवार को पुलिस ने पीड़िता को दिल्ली से बरामद कर लिया था और आरोपी को हिरासत में ले लिया था। पुलिस ने सोमवार को युवती को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जहां उसने बताया कि आरोपी ने उस पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया व उसे डराकर वीडियो वायरल किया। बयान दर्ज होने के बाद पुलिस ने युवती को पूरी परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि पीड़िता के मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज करा दिए गए हैं। पीड़िता के बयानों का अवलोकन किया जा रहा है। बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बताई जिहादी साजिश बजरंग दल के नेताओं का कहना है कि यह मामला कोई साधारण प्रेम प्रसंग नहीं है बल्कि योजनाबद्ध जिहादी साजिश है। जिसका उद्देश्य हिंदू समाज को तोड़ना और बेटियों को निशाना बनाना है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है इस प्रकार के लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस घटना के सामने आने के बाद इस पूरे मामले पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने विरोध जताया था। संगठनों ने थाने पर प्रदर्शन करते हुए आरोपी नाजिम पर कठोर कार्रवाई की मांग की थी।

मदरसे में छात्रा के साथ दुष्कर्म, आरोपी मौलाना को पुलिस ने दबोचा, अन्य छात्राओं के परिजन भी सहमे

मदरसे में छात्रा से दुष्कर्म करने वाले मौलाना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। घटना के बाद से वहां पढ़ने वाली छात्राओं के परिजनों में हड़कंप मचा हुआ है। डिलारी थाना क्षेत्र में मदरसे की छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी मौलाना रिहान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। छात्रा मदरसे के छात्रावास में ही रहकर पढ़ाई कर रही है। सोमवार शाम पुलिस ने आरोपी मौलाना को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।पुलिस ने पीड़ित छात्रा का मेडिकल कराया और मजिस्ट्रेट के सामने उसके बयान दर्ज कराए हैं। डिलारी के गांव निवासी महिला ने डिलारी के ढकिया जट निवासी रिहान के खिलाफ केस दर्ज कराया है जिसमें महिला ने बताया कि उसकी 16 वर्षीय बेटी एक मदरसे में पिछले चार माह से पढ़ रही है। छात्रा रात को मदरसे में बने छात्रावास में रहती है। 10 जुलाई 2025 को घर पहुंची छात्रा ने अपनी मां को बताया कि छह जुलाई 2025 की रात वह छात्रावास के कमरे में सो रही थी। रात करीब दो बजे कमरे में आरोपी मौलाना रिहान पहुंच गया। आरोपी उसे खींच कर अपने कमरे में ले जाने लगा। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उस पर तमंचा तान दिया और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी पीड़िता को अपने साथ अपने कमरे में ले गया। आरोपी ने छात्रा को अपने मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाया और दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने मोबाइल से पीड़िता अश्लील वीडियो भी बना लिया जिसके जरिए आरोपी ने छात्रा को चार दिन तक ब्लैकमेल किया। आरोपी ने धमकी दी कि अगर उसने किसी से शिकायत की तो वह मदरसे में पढ़ने वाले उसके भाई और और परिवार के अन्य लोगों की हत्या कर देगा। बेटी की आपबीती सुनने के बाद मां ने आरोपी की शिकायत मदरसा प्रबंधन से की तो मामले में समझौता कराने का दबाव बनाया गया है लेकिन मदरसा प्रबंधन ने आरोपी मौलाना के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद पीड़िता की मां थाने पहुंच गई और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करा दिया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि आरोपी मौलाना को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। उधर पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया और उसके मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराए गए हैं।

छत पर कबूतर उड़ाने गए तीन बच्चे करंट से झुलसे

निर्माणाधीन मकान की छत के पास से गंजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए

मुरादाबाद- थाना क्षेत्र के गुरेर गांव में रविवार की देर शाम छत पर कबूतर उड़ाने गए तीन बच्चे हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए। करंट से तीनों बच्चे झुलस गए। एक बच्चे की हालत गंभीर है। गांव के कल्लू पुत्र हाजी लल्ला के निर्माणाधीन मकान की छत के पास से गुजर रही बिजली लाइन पर कबूतर बैठ गया। तीन बच्चे साकिब पुत्र गुलाम मोहम्मद, सुभान पुत्र साकिर और औरगंजेब पुत्र मोहम्मद इमरान कबूतर देख छत पर पहुंच गए। शाकिब डंडा से कबूतर उड़ाने लगा। डंडा तार से टच हो गया और शाकिब करंट की चपेट में आ गया। औरंगजेब और सुभान ने बचाने का प्रयास किया तो वे भी झुलस गए। परिजन तीनों बच्चों को डींगरपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले गए। औरंगजेब और सुभान को प्राथमिक उपचार के बाद घर ले आया गया लेकिन शाकिब की हालत गंभीर देखते हुए परिजन उसे मुरादाबाद के टीएमयू अस्पताल लेकर पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि मुरादाबाद-संभल लाइन गांव में आ रही लाइन से टच हो गई। इससे कई घरों में रखे टीवी, फ्रिज, इनवर्टर आदि उपकरण फुंक गए।

सोशल मीडिया बना रिश्तों में दूरी की दीवार, एक साल में 20 विवाद

परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग के जरिए दंपती के बीच कराया जा रहा समझौता

मुरादाबाद- डिजिटल युग में सोशल मीडिया जहां एक ओर जानकारी का सशक्त माध्यम बन चुका है, वहीं दूसरी ओर यह पारिवारिक रिश्तों में दरार भी डाल रहा है। जिले में बीते एक वर्ष में सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल से जुड़ी लगभग 20 पारिवारिक विवाद सोशल मीडिया की वजह से हुए है। जिसमें अधिकांश मामले पति-पत्नी के बीच आपसी तनाव, शक, दूरी और झगड़े को लेकर थे। कुछ मामले ऐसे भी सामने आए जहां बात तलाक तक पहुंच गई। हालांकि पुलिस ने समय रहते काउंसलिंग कराकर कई परिवारों को टूटने से बचा लिया। मौजूदा समय में लोग सोशल मीडिया पर जरूरत से ज्यादा समय बिताते है। निजी बातचीत को नजरअंदाज करना और आभासी दुनिया में डूबे रहना आजकल विवाद का बड़ा कारण बन गया है। रिश्तों में संवाद की कमी, भरोसे में दरार और समय की उपेक्षा से कई परिवार तनावग्रस्त हो रहे हैं। लोग पूरा-पूरा दिन मोबाइल पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे है। सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल परिवार के बिखराव का कारण बन रहा है। लगभग एक साल में सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल से संबंधित लगभग 20 मामले पुलिस के सामने आए। हालांकि, ज्यादातर मामलों में पुलिस ने काउंसलिंग कर परिवारों में समझौता करा दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आज के समय में सोशल मीडिया के इस्तेमाल परिवारों के बीच विवाद ज्यादा बड़ रहा है। कई मामले ऐसे आए है कि सोशल मीडिया के ज्यादा इस्तेमाल से पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। विवाद होने पर कई परिवार टूटकर बिखर जाते हैं। इसके कारण न केवल दंपतियों को, बल्कि पूरे परिवार को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। सबसे ज्यादा मामले अवैध संबंधों के पति-पत्नी के बीच सोशल मीडिया को लेकर सबसे ज्यादा विवादों का कारण अवैध संबंध बन रहे हैं। कई बार पुरुष या महिला का किसी अन्य से सोशल मीडिया के जरिए संपर्क बढ़ता है जो बाद में अवैध संबंध में बदल जाता है। ऐसे मामलों में जब दूसरे साथी को सच का पता चलता है तो झगड़ा, अलगाव और कभी-कभी घरेलू हिंसा जैसी स्थितियां बन जाती हैं। कुछ शिकायतें तो एफआईआर तक पहुंच चुकी हैं। हालांकि, पुलिस की पारिवारिक परामर्श इकाई ने काउंसलिंग के जरिए कई मामलों में सुलह करा दी है। बच्चों पर भी असर, पढ़ाई में गिरावट व अनुशासनहीनता बढ़ी- सोशल मीडिया का बुरा असर सिर्फ बड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चे भी इसकी गिरफ्त में आकर पढ़ाई से विमुख होते जा रहे हैं। लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई के नाम पर बच्चों के हाथ में मोबाइल आ गए, लेकिन अब वह पढ़ाई के बजाय इंस्टाग्राम, यूट्यूब और रील्स में खोए रहते हैं। अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है क्योंकि न सिर्फ बच्चों का शैक्षणिक प्रदर्शन गिरा है बल्कि उनमें चिड़चिड़ापन, अनुशासनहीनता और बाहरी दुनिया से कटाव जैसे लक्षण भी सामने आ रहे हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

साइबर ठगों ने प्रोफेसर को बनाया शिकार, पत्नी की सूझबूझ से बची ठगी

क्यूँ न लिखूँ सच
पं सत्यमशर्मा

बरेली।शहर में साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। ताजा मामला बरेली कॉलेज के रिटायर्ड प्रोफेसर राजीव मेहरोत्रा के साथ हुआ, जिन्हें फर्जी पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर ठगों ने एक घंटे तक 'डिजिटल अरेस्ट' कर डराने की कोशिश की। प्रोफेसर की पत्नी की सतर्कता से यह ठगी होते-होते टल गई।घटना सोमवार सुबह की है, जब प्रोफेसर राजीव मेहरोत्रा अपने राजेन्द्र नगर स्थित आवास पर मौजूद थे। सुबह करीब 10:30 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात कॉल आई। कॉल रिसीव करते ही पहले एक ऑटोमैटिक आवाज आई कि आपका नंबर दो घंटे में ब्लॉक कर दिया जाएगा। इसके बाद एक महिला ने बात करते हुए बताया कि प्रोफेसर के नाम से एक नया सिम कार्ड 4 अक्टूबर को एक्टिव किया गया है,

जिससे गैरकानूनी गतिविधियाँ हो रही हैं। महिला कॉलर ने फिर कॉल को अजय नामक एक सीनियर मैनेजर को ट्रांसफर किया, जिसने प्रोफेसर को बताया कि महाराष्ट्र के कोलाबा थाने से इंस्पेक्टर बात करना चाहते हैं। इस बहाने उन्होंने प्रोफेसर को एक घंटे तक कॉल पर रोके रखा और धमकियाँ दीं कि जल्द ही पुलिस उनके घर पहुंच जाएगी। इतना ही नहीं, प्रोफेसर के व्हाट्सएप पर एक फर्जी सीबीआई लेटर भी भेजा गया, जिस पर सीबीआई का लोगो बना हुआ था और मनी लॉन्ड्रिंग व फ्रॉड जैसे गंभीर आरोपों का जिक्र था। इस बीच, घर पर मौजूद प्रोफेसर की पत्नी को कुछ संदेह हुआ। उन्होंने सूझबूझ से अपने पति को इशारा कर कॉल कट करवा दी और उन्हें पूरे घटनाक्रम से बाहर निकाला। बचने के बाद प्रोफेसर ने साइबर क्राइम थाने में पूरे मामले की लिखित शिकायत दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि इस तरह के कॉल्स से सतर्क रहें और कभी भी किसी अज्ञात कॉलर को व्यक्तिगत जानकारी न दें।

धोखाधड़ी में पूर्व भाजपा नेता सूर्यकांत और उसके भाई पर भी एफआईआर

क्यूँ न लिखूँ सच
पं सत्यमशर्मा

बरेली। बरेली और बदायूं में बड़ी संख्या में लोगों की मेहनत के करोड़ों रुपये की धनराशि हड़पने वाले अमर ज्योति लिमिटेड के निदेशकों के खिलाफ रविवार को बरेली के बारादरी थाने में भी रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।नगर निगम में कार्यरत महिला के पांच लाख रुपये हड़पने के आरोप में पूर्व भाजपा नेता सूर्यकांत मौर्य, उसके भाई शशिकांत मौर्य, सूरजपाल सिंह, श्रीकांत मौर्य ने एक ही नहीं बल्कि अमर ज्योति नाम से तीन कंपनियां खोलीं, उनमें आरडी और एफडी के नाम से लोगों की रकम निवेश कराई थी।

आरोपियों के खिलाफ बदायूं में पहले ही रिपोर्ट दर्ज कराई जा चुकी है।कटरा चांद खां निवासी विनीता मौर्य ने अमर ज्योति हायर परचेज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड कार्यालय कटरा चांद खां के निदेशक सूरजपाल सिंह, निदेशक शशिकांत मौर्य, सूर्य कांत मौर्य, श्रीकांत मौर्य व कंपनी के अन्य प्रतिनिधि के खिलाफ धोखाधड़ी करने के आरोप में थाना बारादरी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। विनीता मौर्य ने रविवार को दर्ज कराई एफआईआर में बताया है कि वह नगर निगम में कार्यरत हैं। अमर ज्योति लिमिटेड, अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड रजिस्टर्ड आफिस जालंधरी सराय बदायूं व अमर ज्योति हायर परचेज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पंजीकृत कार्यालय कटरा चांद खां के निवेशकों में सूरजपाल सिंह, शशिकांत मौर्य, सूर्यकांत मौर्य, श्रीकांत मौर्य व उनके प्रतिनिधियों द्वारा प्रोत्साहित करने पर स्वयं उसने, उसके पति निमित व तमाम अन्य लोगों ने उपरोक्त कंपनियों में आरडी व एफडी कराई गई। उसने 7 अक्टूबर 2022 को एक लाख रुपये, 18 मई 2023 को 50 हजार रुपये, 50 हजार रुपये व उसके पति द्वारा 19 सितंबर 2020 को 1.50 लाख और 1.50 लाख रुपये की एफडी कराई गई। ये रकम कंपनी के निदेशकों एवं एजेंटों के प्रलोभन देने के बाद जमा कराई थी। इनकी परिपक्वता में अभी कुछ समय था। इसी बीच जानकारी मिली कि कंपनी के निदेशकों ने संपत्तियों को बेचना आरंभ कर दिया है और लोगों को धन वापस न करना पड़े, इसलिए कार्यालय बंद कर दिया है। लोगों द्वारा जानकारी करने पर अभद्रता करते हैं। इन लोगों ने धोखाधड़ी कर उसकी और अन्य लोगों की मेहनत की कमाई हड़प कर ली है। पीड़िता ने सभी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। बारादरी पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

किसान को मारने वाले बाघ ने बदली लोकेशन ग्रामीणों में दहशत

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविंद कुमार

पीलीभीत - पीलीभीत को लगता है किसी की नजर लग गई है। पीलीभीत में जहां अप्रैल 2025 तक शांति बनी हुई थी, वहीं अब तेंदुआ, हाथी के बाद बाघिन हमलावर हो गई है। सूत्रों के अनुसार पिछले 2 महीने में बाघों ने 6 लोगों को शिकार बनाया है। सोमवार को पीलीभीत में एक बाघ ने किसान को मौत के घाट उतार दिया था। वन विभाग की टीमें घटना वाले गांव में घेराबंदी करने के दावा कर रही थी, वही मंगलवार को बाघ गांव से लगभग 1 किलोमीटर दूर स्थित खेतों में चहलकदमी करते देखा गया है। इधर बाघ की लोकेशन हाईवे किनारे होने के चलते ग्रामीणों के साथ ही साथ राहगीरों में भी दहशत देखी जा रही है। पीलीभीत ज़िले में एक के बाद एक जंगली जानवरों के हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं। सोमवार सुबह पीलीभीत के न्यूरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले फुल्हर गांव के रहने वाले 40 वर्षीय किसान दयाराम को उसकी ही खेत में एक बाघ ने मौत के घाट उतार दिया था। बीते 2 महीने में यह लगातार छठी घटना है। दयाराम की मौत के बाद ग्रामीणों ने खासा आक्रोश था। 14 मई को गांव नजीरगंज में फसल की सिंचाई कर रहे किसान हंसराज पर बाघ ने हमला किया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी।

18 मई को चतीपुर गांव में गन्ने की छिलाई कर रहे ग्रामीण राम प्रसाद की जान बाघ के हमले में चली गई। 25 मई को खिरकिया बरगदिया गांव निवासी लौंगश्री को गन्ने की निराई करते समय बाघ ने मार डाला था। 03 जून को हजारा क्षेत्र के शांतिनगर गांव में घर में बर्तन धो रहीं रेशमा को बाघ उठा ले गया और मार डाला। 9 जून को मेवात पुर निवासी किसान को बाघ ने मार डाला था। अब 14 जुलाई को बाघ ने गांव फुलहर निवासी किसान दयाराम को मार डाला। पुलिस, वन विभाग व प्रशासन की कड़ी समझाइश के बाद मृतक दयाराम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका। घटना के बाद से ही वन विभाग की टीम खेत में बैठे बाघ की घेराबंदी की बात कह रही थी, वही मंगलवार सुबह बाघिन घटनास्थल से तक़रीबन एक किलोमीटर दूर टनकपुर हाईवे के किनारे स्थित औरेया गांव के खेतों में चहलकदमी करते देखा गया। हाईवे व आबादी के इतना नजदीक टाइगर की चहलकदमी देखते हुए वन विभाग की टीम ने सोमवार सुबह से ही रेस्क्यू ऑपरेशन लॉन्च कर दिया है। लेकिन खेतों ने खड़ी फसल व हरियाली के चलते वन विभाग को लोकेशन तलाश करने में काफी मशक्कत हो रही है। वन विभाग की टीमें लगातार बाघ की निगरानी में जुटी हुई हैं, लेकिन इसी दौरान बाघ ने विभाग के स्टाफ पर भी हमला कर दिया। गनीमत रही कि कोई कर्मचारी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ और सभी बाल-बाल बच गए। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग केवल खानापूर्ति कर रहा है और रात होते ही इलाके से चला जाता है, जिससे रात के समय गांव वालों को खुद की सुरक्षा की चिंता सताती रहती है। गांव के ही निवासी सुरेश यादव ने बताया कि टाइगर पूरे क्षेत्र में घूम रहा है और अब हाईवे किनारे आबादी की ओर बढ़ रहा है।

उनका कहना है कि वन विभाग दिन में तो निगरानी करता है, लेकिन रात में टाइगर के सक्रिय होने पर कोई तैयारी नजर नहीं आती। ऐसे में गांव के लोग दहशत में हैं और रातें जागकर बितानी पड़ रही हैं। पूरे मामले पर जानकारी देते हुए पीलीभीत सामाजिक वानिकी प्रभाग के प्रभागीय निदेशक भरत कुमार डीके ने बताया कि टाइगर को रेस्क्यू करने के प्रयास जारी हैं। सटीक लोकेशन व अनुकूल वातावरण मिलते ही टाइगर को रेस्क्यू कर लिया जाएगा। फिलहाल बाघ की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है और ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

मार-पीट की घटना के वीडियो की कृत कार्यवाही के सम्बन्धित

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविंद कुमार

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रसारित हो रही मार-पीट की घटना के वीडियो की कृत कार्यवाही के संबंध में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में दिनांक 15.07.2025 को वादी की लिखित तहरीर के आधार पर थाना अमरिया पुलिस द्वारा मुकदमा 193/2025 धारा 115(2) /352 /351(3) अभियुक्तगण 1. कासिम पुत्र नसरुद्दीन 2. शमसुद्दीन पुत्र मोहम्मद ऐवज 3. मोइनुल हसन पुत्र शमसुद्दीन निवासीगण बरादुनवा थाना उमरिया जनपद पीलीभीत 4. नबी रसूल पुत्र इनायत रसूल निवासी ग्राम बारात बोझ थाना जहानाबाद जनपद पीलीभीत के विरुद्ध पंजीकृत अभियुक्तगण 1.कासिम 2.शमसुद्दीन 3.मोइनुल हसन को ग्राम बरादुनवा के घर से पुलिस हिरासत में लेकर के अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 10.04.2025 को मोहम्मद यासीन पुत्र करीम बॉक्स निवासी ग्राम पिंजरा बमनपुरी थाना अमरिया जिला पीलीभीत ग्राम पिंजरा वमनपुरी अपने ससुराल पत्नी रेशमा को बुलाने गया उसके चचेरे ससुर शमसुद्दीन पुत्र एवज, मोइनुल हसन पुत्र शमसुद्दीन व कासिम पुत्र नन्हे पूर्व बशीरुद्दीन निवासी ग्राम बरादुनवा थाना अमरिया जनपद पीलीभीत और नबी रसूल पुत्र इनायत रसूल निवासी ग्राम पिंजरा बारात भोज थाना जहानाबाद ने गंदी-गंदी गालियां दी। तथा वह लाठी डंडों से मारा पीटा और कहां अगर इसकी शिकायत किसी से की तो जान से मार देंगे तथा उस घटना पर वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने पर पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर अभियोग पंजीकृत करते हुए तीन आरोपियों को पुलिस हिरासत में लेकर विधिक कार्यवाही अमल में लाई गई है।

विकासखण्ड ललौरीखेड़ा में महिला चौपाल का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविंद कुमार

◆ उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्य ने गांधी सभागार में गई महिला जनसुनवाई
◆ विकासखण्ड ललौरीखेड़ा में महिला चौपाल की किया आयोजन, मनाया कन्या जन्मोत्सव एवं 07 गर्भवती महिला की गोद भराई की
◆ विकासखण्ड ललौरीखेड़ा के कस्तूरवां गांधी विद्यालय का किया निरीक्षण, देखीं व्यवस्थाऐं

पीलीभीत में मा0 सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग श्रीमती सुनीता सैनी ज़ी द्वारा गांधी सभागार में 11 बजे महिला जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान महिला उत्पीड़न से सम्बंधित 12 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिसमें घरेलू हिंसा, ज़मीनी विवाद एवं छेड़छाड़ से सम्बंधित समस्याओं को सुना और उपस्थित अधिकारियों को महिला उत्पीड़न से सम्बंधित समस्याओं का निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। मा0 सदस्या द्वारा विकासखण्ड ललौरीखेड़ा में महिला चौपल का आयोजन एवं आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया गया। आगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों से बातचीत की गई। आंगनबाड़ी केंद्र ललौरीखेड़ा में 05 बच्चियों का कन्या जन्मोत्सव मनाया एवं 07 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराई गई। मा0 सदस्या द्वारा जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान गर्भवती महिलाओं से बातचीत की गई एवं जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा की गई। इसी क्रम में सखी वन स्टॉप सेन्टर पीलीभीत का औचक निरीक्षण किया गया। सेन्टर पर रोस्टर के अनुसार सभी स्टॉप उपस्थित मिला एवं 04 पीडिताएँ मिली, उन्होंने पीड़िताओं की बातचीत कर उनसे सेंटर पर किसी प्रकार की समस्या तो नही की ली जानकारी। वन स्टॉप सेंटर की साफ सफाई एवं अन्य सभी व्यवस्थाएं सन्तोषजन पाई गईं। मा0 सदस्या श्रीमती सुनीता सैनी द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया एवं महिला बन्दियों से वार्ता की गई। ततपश्चात मा0 सदस्या द्वारा कस्तूरबा गाँधी ललौरीखेड़ा का औचक निरीक्षण किया गया विद्यालय में वार्डन एवं सभी स्टाफ़ उपस्थित मिला, साफ सफाई एवं सभी व्यवस्थाएं सन्तोष जनक पाई गईं। जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, उपयुक्त स्वत: रोजगार, उपजिलाधिकारी सदर, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, समाज कल्याण सदर, एस0एच0ओ0 महिला थाना, महिला कल्याण विभाग का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।।

संक्षिप्त समाचार

इफको आंवला में बनवा सकेंगे पासपोर्ट, तीन दिन लगेगा कैम्प

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली। अगर आप पासपोर्ट बनवाने की सोच रहे हैं और आंवला में रहते हैं, तो पासपोर्ट ऑफिस की तरफ से बड़ी सुविधा दी जा रही है। तीन दिन तक आंवला में लगने वाले मोबाइल वैन कैंप के दौरान पासपोर्ट बनवा सकेंगे। इसके लिए पहले ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेना पड़ेगा। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि ढ्ढस्नस्नष्टह्र टाउनशिप आंवला में 15, 17 व 18 जुलाई को कैंप का आयोजन किया जाएगा। आंवला और आसपास के लोगों को पासपोर्ट बनवाने की सुविधा दी जाएगी। यहां पासपोर्ट बनवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन करते समय आरपीओ बरेली पासपोर्ट मोबाइल वैन का विकल्प चुनना होगा। प्रतिदिन 40 स्लॉट निर्धारित किए गए हैं। खास बात ये कि सामान्य आवेदन में जहां पासपोर्ट सेवाकेंद्र पर आवेदन के बाद 15 से 20 दिन के बाद का अपॉइंटमेंट मिलता है, इस कैंप में निर्धारित तिथियों पर अपॉइंटमेंट मिल जाएगा।

सीएम ग्रिड के दूसरे चरण के काम की तैयारी, अतिक्रमण पर चलेगा बुलडोजर

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली। शहर में सीएम ग्रिड योजना के दूसरे चरण में कोहड़ापीर से कुदेशिया फाटक तक का काम शुरू होने जा रहा है। नगर निगम ने इसकी तैयारियां तेज कर दी हैं। योजना के तहत जिस मार्ग पर सीवर, पेयजल लाइन, गैस पाइपलाइन और अन्य भूमिगत लाइनें बिछाई जानी हैं, उसपर अतिक्रमण चिह्नित कर क्रॉस का लाल निशान लगा दिया गया है। कुछ मकानों की दीवारों और दुकानों को हटाया जाएगा। मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (सीएम ग्रिड) योजना के दूसरे चरण के काम पर 35 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका शासन स्तर से टेंडर हो गया है। इससे चौड़ीकरण, सौन्दर्यीकरण और फुटपाथ, भूमिगत केबल आदि का निर्माण होगा। कोहाड़ापीर से सूद धर्मकांटा और कुदेशिया फाटक तक दो सड़कों का चौड़ीकरण होगा। अब सड़कों के किनारे अतिक्रमण हटा कर काम शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर नगर निगम ने अतिक्रमण को चिह्नित कर लिया है। अतिक्रमण के दायरे में आने वाले कुछ दीवारें, मकान के गेट, रैंप, चबूतरे, अस्थायी दुकानों, ठेलियों और बाउंड्रीवॉल को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। यहां पर नालियां और स्टॉर्म वाटर ड्रेन का निर्माण होगा। सड़क के दोनों ओर फुटपाथ बनेगा और पौधरोपण किया जाएगा। सभी बिजली के पोल को हटाकर भूमिगत केबल डाली जाएगी।अधिकारियों का कहना है कि केवल सार्वजनिक स्थानों और सरकारी जमीन पर किए गए अवैध निर्माणों को ही हटाया जाएगा। किसी वैध निर्माण या स्थायी व्यवसाय को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा।

सड़क के किनारे नहर कालोनी के पास लगा हैंडपंप खराब

क्यूँ न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पटना बीरगंज जिससे ग्रामीणों को पानी पीने में बहुत परेशानियां होती हैं और सड़क के पटरी पर

अतिक्रमण करके आना-जाना दुश्वार कर दिया है दुकानदारों द्वारा ढाबली टीन सेट लगाकर सड़क के पटरी पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है जिससे छोटे-बड़े वाहन आने जाने में परेशानियां होती हैं इस संबंध में ग्रामीणों ने जिला अधिकारी से मांग किया है कि रोड पर दबंगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग किया है

पैदल चार धाम यात्रा पर निकले यात्रियों का नेपालगंज में हुआ स्वागत -सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।पैदल चारधाम यात्रा पर निकले अलीगढ़ के गुडडू जाट

एवं हरियाणा के कुरूक्षेत्र के कुलदीप कश्यप का मंगलवार को नेपालगंज में हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत महेश गिरि ने अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

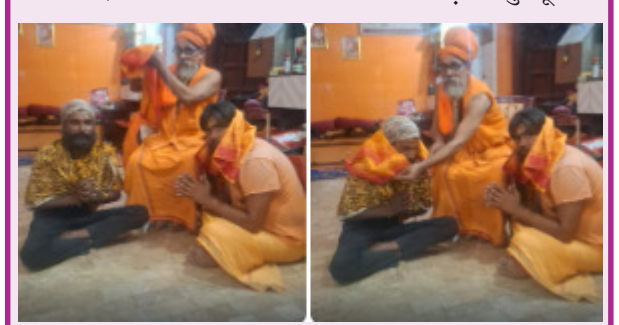

नेचुरल कोल्हू कच्ची घानी सरसों तेल प्रतिष्ठान का भव्य शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जमुनहा तहसील क्षेत्र अंतर्गत जमुनहा बाजार से कलकलवा मार्ग पर स्थित ग्राम दुर्गापुरवा में नेचुरल कोल्हू कच्ची घानी सरसों तेल प्रतिष्ठान का भव्य शुभारंभ किया गया। यह प्रतिष्ठान जमुनहा श्रावस्ती फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसकी अगुवाई प्रोपराइटर रामरानी वर्मा पत्नी डॉ. महेश वर्मा कर रही हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रावस्ती सांसद रामशिरोमणि वर्मा एवं भिनगा विधायक इन्द्राणी वर्मा ने फीता काटकर प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया। शुभारंभ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण एवं क्षेत्रीय गणमान्यजन चन्द्र मोहन वर्मा,बालक राम वर्मा, महेश कुमार वर्मा उपस्थित रहे। सांसद रामशिरोमणि वर्मा ने कहा कि यह पहल न केवल स्वरोजगार को बढ़ावा देगी बल्कि लोगों को शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक सरसों तेल उपलब्ध कराने में भी सहायक सिद्ध होगी। विधायक इन्द्राणी वर्मा ने कहा कि कच्ची घानी से निकला तेल स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वदेशी उत्पादों के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। प्रोपराइटर रामरानी वर्मा ने बताया कि प्रतिष्ठान में पूरी तरह पारंपरिक विधि से सरसों का शुद्ध तेल निकाला जा रहा है, जिससे ग्राहकों को बिना मिलावट के प्राकृतिक गुणवत्ता युक्त तेल उपलब्ध होगा।

ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी में पोषाहार को लेकर जांच, कर कार्रवाई की उठाई मांग

क्यूँ न लिखूँ सच - अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती विकास खण्ड हरिहरपुररानी अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर कोठी की हालत बद से बदतर बनी हुई है। सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं यहां जमीनी हकीकत से कोसों दूर नजर आ रही हैं। शिक्षा व्यवस्था की बात करें तो ग्राम पंचायत के सभी आंगनबाड़ी केंद्र-प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ वर्षों से बंद पड़े हैं, या फिर खानापूर्ति के तहत किसी निजी आवास पर संचालित हो रहे हैं। इन केंद्रों में न तो बच्चों को सरकार द्वारा प्रदत्त पोषाहार मिलता है और न ही शिक्षा से संबंधित गतिविधियां हो रही हैं। ग्रामीणों की मानें तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कभी भी केंद्र पर नहीं आती हैं, जिससे बच्चों का शैक्षिक और पोषण विकास ठप है। वहीं बच्चों हेतु बाल मैत्रिक शौचालय का भी निर्माण कराया गया है वहीं ग्राम पंचायत के मजरा नर्सरी पुरवा में विकास की तस्वीर और भी धुंधली है। यहां नालियों और खड़ंजा का अभाव है, जिससे गंदा पानी कच्चे रास्ते पर बहता है और स्वच्छ भारत मिशन की अवधारणा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से ग्रामीणों को बदबू और बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। गर्भवती और धात्री महिलाओं ने बताया कि उन्हें सरकारी योजनाओं का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। गांव के लोगों ने प्रशासन से ग्राम पंचायत की स्थिति की जमीनी स्तर पर जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र ही हालात नहीं सुधारी गयी तो स्थिति और भी दयनीय हालत में हो जाएगी। क्योंकि आंगनबाड़ी की विरुद्ध ग्रामीणों ने हंगामा काटा की आंगनबाड़ियों द्वारा खाद्यान्न की कालाबाजारी की जा रही है और कलाबाजी करते हुए कुछ ग्रामीणों ने देखा जिसकी शिकायत उच्च अधिारीयों से किया है।

DJ रोका तो भड़के कांवड़िए: करने लगे हंगामा, चौकी पर की नारेबाजी, जाम लगाने का प्रयास; ASP ने समझाकर शांत कराया

कांवड़ियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने डीजे रोका तो एक कांवड़िया हिमांशु घायल हो गया। किसी तरह कांवड़ को खंडित होने से बचाया। हालांकि संभल पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर दिया। इसके बाद कांवड़ियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। डीजे रोके जाने से गुस्साए कांवड़ियों ने सरथल पुलिस चौकी और सूर्यकुंड मंदिर पर हंगामा कर दिया। इसके बाद संभल-बहजोई मार्ग पर जनता पेट्रोल पंप पर जाम लगाने का प्रयास किया। कांवड़ियों ने आरोप लगाया कि नखासा थाना क्षेत्र में कुरकावली के नजदीक पुलिस ने डीजे रोक लिया था। इस दौरान एक कांवड़िया गिरकर भी घायल हुआ। एएसपी (उत्तरी) ने बताया कि डीजे नहीं रोका गया था। जो लोग हंगामा कर रहे थे उनको समझा दिया दिया था।शहर के मोहल्ला कोट पूर्वी के 25 कांवड़ियों का जत्था डाक कांवड़ लेकर ब्रजघाट से सोमवार को लौट रहा था। नखासा थाना क्षेत्र में हसनपुर मार्ग पर गांव कुरकावली में पुलिस ने उनका डीजे रोक लिया और आगे नहीं बढ़ने दिया। पुलिस ने कहा कि डीजे पर स्पीकर की संख्या ज्यादा है जबकि कांवड़ियों ने कहा कि पुलिस प्रशासन ने उन्हें डीजे की गाइडलाइन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। गूगल पर सर्च करने के बाद गाइडलाइन का पालन करते हुए सरथल चौकी में लिखित में पत्र देकर ही डीजे लेकर गए थे।कांवड़ियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने डीजे रोका तो एक कांवड़िया हिमांशु घायल हो गया। किसी तरह कांवड़ को खंडित होने से बचाया। हालांकि संभल पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर दिया। इसके बाद कांवड़ियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल भी पहुंच गए। उन्होंने कांवड़ियों को समझाया। इसके बाद कांवड़िये जनता पेट्रोल पंप के सामने पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। जाम लगाने का प्रयास भी किया। सूचना मिलने पर एएसपी उत्तरी राजेश कुमार श्रीवास्तव, एसडीएम विकास चंद्र, सीओ संभल आलोक भाटी, सीओ असमोली कुलदीप सिंह भी पहुंच गए। पुलिस ने घायल कांवड़िये हिमांशु को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। मौके पर एएसपी ने कांवड़ियों की बात सुनते हुए समझाया और शांत किया। कांवड़ियों ने नखासा कोतवाल पर कार्रवाई की मांग उठाई। कांवड़ियों के अलावा महिलाओं ने सूर्यकुंड मंदिर के गेट पर हंगामा किया। कांवड़िया हिमांशु ने कहा-गिरकर घायल हुआ घायल कांवड़िया हिमांशु ने कहा कि मैं डाक कांवड़ यात्रा में शामिल था। पुलिस ने डीजे को रुकवाया तो विवाद के दौरान मैं अचानक गिरकर घायल हो गया। इसमें चोट लगी है। पुलिस ने नहीं बताई गाइडलाइन कांवड़िये शोभित ने कहा कि सरथल चौकी पर पूछा गया तो गाइडलाइन नहीं बताई गई। गूगल पर सर्च करने पर पता चला कि डीजे 10 वाई 12 का ले जा सकते हैं। अगर गाइडलाइन में कहीं दो स्पीकर का जिक्र हो तो हमारी गलती है। वरना कोतवाल को माफी मांगनी चाहिए। हाथ जोड़कर विनती की पर संभल तक नहीं आया डीजे कांवड़िया अमन कुमार ने कहा कि हम गाइडलाइन के मुताबिक डाक कांवड़ लेने गए थे। पुलिस प्रशासन ने कुरकावली में हमारी कांवड़ को खंडित किए जाने की कोशिश की। पुलिस ने रोका तो हमने हाथ जोड़कर विनती की लेकिन संभल तक डीजे नहीं आने दिया। कांवड़ियों को गाइडलाइन बताने के लिए रोका गया था। डीजे रोके जाने की बात गलत है। हंगामा कर रहे कांवड़ियों को समझाकर शांत कर दिया गया। -राजेश कुमार श्रीवास्तव, एएसपी उत्तरी पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा के इंतजाम अच्छे किए हैं। कांवड़ियों के सम्मान का भी ध्यान रखना चाहिए। कांवड़िये जो हंगामा कर रहे थे उनको समझा दिया गया था। डीजे रोकने पर कांवड़ियों में आक्रोश पनप गया था। -राजेश सिंघल, उपाध्यक्ष, पश्चिमी क्षेत्र, यूपी

स्मार्ट गन्ना किसान अपना रहे फसल सुरक्षा के स्मार्ट तरीके

क्यूँ न लिखूँ सच - अरविंद कुमार

पीलीभीत द्वारा गन्ना किसानों को घातक कीटनाशकों के विकल्प के रूप में जैविक कीट नियंत्रण की विधियों को अपनाने के लिए निरंतर जागरूक किया जा रहा है। किसानों के खेतों पर ही इन तकनीकों का प्रदर्शन कर लाभ बताए जा रहे हैं। जैविक कीट नियंत्रण न पर्यावरण और मृदा स्वास्थ्य के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित है। विभिन्न विकास क्षेत्रों में किसानों को बड़ी संख्या में जैविक मुहिम के तहत कुल 800 ट्राईकोकार्ड 415 कृषकों को वितरित जैविक तरीके से कीटों से सुरक्षा मिली। गन्ना विकास परिषद ट्रैप 50 किसानों में वितरित किए गए, जिनसे 100 एकड़ गन्ने की ट्राईकोकार्ड 55 किसानों में वितरित कर 50 एकड़ फसल को 200 ट्राईकोकार्ड 80 किसानों को वितरित किए गए, जिनसे कुल मिलाकर जनपद पीलीभीत में अब तक 600 एकड़ से के जैविक साधनों से सुरक्षित किया जा चुका है। गन्ना किसानों बताया कि ट्राईकोकार्ड, लाइट ट्रैप, इंटेलिजेंट लाइट ट्रैप और केवल रसायनों पर होने वाले खर्च को कम करता है, बल्कि इसी क्रम में गन्ना विकास परिषद, पीलीभीत द्वारा अब तक साधन वितरित किए गए हैं। जैविक कीट नियंत्रण की किए गए, जिससे करीब 240 एकड़ गन्ने की फसल को बरखेड़ा एवं चीनी मिल बरखेड़ा द्वारा 450 फनेल फेरोमोन रक्षा हुई। गन्ना विकास परिषद बरखेड़ा द्वारा अतिरिक्त 100 सुरक्षित किया गया। गन्ना विकास परिषद बीसलपुर द्वारा 100 एकड़ गन्ना जैविक पद्धति से सुरक्षित हुआ। इस तरह अधिक गन्ना फसल को बिना किसी रासायनिक कीटनाशक द्वारा भी इन प्रयासों की सराहना की जा रही है। किसानों ने फेरोमोन ट्रैप के उपयोग से फसल पर कीटों का प्रकोप घटा है, लागत घटी है और मिट्टी की उर्वरकता बनी रहती है। खुशी राम भार्गव जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत द्वारा किसानों से लगातार अपील की जा रही हैं कि अधिक से अधिक किसान रसायन मुक्त और टिकाऊ खेती की दिशा में आगे बढ़ें तथा अपने खेतों को प्राकृतिक संरक्षण दें। इन विधियों से केवल हानिकारक कीट आकर्षित होकर मरते है, लेकिन मित्र कीटो को कोई नुकसान नहीं होता है। गन्ने की फसल के प्रमुख मित्र कीट है-लेडी बर्ड बीटल, क्राइसोपिला, सिरफिड मक्खी, और विभिन्न प्रकार की मकड़िया। इसके अलावा कुछ परजीवी मित्र कीट भी होते है जैसे ट्राईकोग्रामा वास्प, ब्रेकॉन वास्प, एपिरीकैनिया आदि स जैविक विधियों से पर्यावरण संरक्षण के साथ फसल की गुणवत्ता बेहतर होती है। कीटनाशकों पर होने वाला खर्चा बच जाता है। जनपद के प्रगतिशील गन्ना किसान डॉ हरमीत सिंह ने बताया कि जैविक कीट नियंत्रण की विभिन्न विधियों को अपनाने के साथ ही वह जंगली जानवरो से फसल सुरक्षा के लिये आर्टिफिशल इंटेलिजेंट आधारित साउंड लाइट सिस्टम का उपयोग करते है। यह सिस्टम सोलर से रिचार्ज होता है तथा सेंसर लगे होने के कारण रात होते ही सक्रिय हो जाता है। इसमें गन्ने मे लगने वाले बोरर कीटो के नियंत्रण के लिये लाइट ट्रैप लगा है। साथ ही साउंड सिस्टम भी है जो जंगली जानवर जैसे सियार, जंगली सूकर, स्याही, आवारा पशुओ को दूर भगाता है। विगत दिनों जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक बीसलपुर, सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति बीसलपुर, मुख्य गन्ना अधिकारी बीसलपुर चीनी मिल द्वारा डॉ हरमीत सिंह के कृषि फार्म का विजिट किया गया। डॉ सिंह के स्मार्ट कीट नियंत्रण की विधियों को देखा और इसकी सराहना की। ऐसे किसान उन किसानो के लिये प्रेरणा का काम करते है जो कीट नियंत्रण के लिये महंगे एवं घातक रसायनो का प्रयोग करते है।

संक्षिप्त समाचार

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, द्वारा योग अभ्यास कार्यक्रम काआयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के कार्यक्षेत्र अंतर्गत

समस्त बाहरी सीमा चौकियों पर अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट के कुशल दिशा-निर्देशन में योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रिनरूपेश कुमार, उप कमांडेंट, पागाडा साईं, सहायक कमांडेंट, अन्य अधीनस्थ अधिकारीगण एवं समस्त जवानों की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य जवानों के शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक संतुलन को सुदृढ़ करते हुए उन्हें तनावमुक्त, ऊर्जावान एवं अनुशासित बनाना था। योग अभ्यास के दौरान विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान क्रियाओं का अभ्यास कराया गया, जिससे जवानों में सकारात्मक ऊर्जा, एकाग्रता तथा आंतरिक बल का संचार हुआ। यह आयोजन सशस्त्र बलों में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ। 62वीं वाहिनी द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को नियमित रूप से जारी रखने की योजना है, जिससे बल की कार्यक्षमता एवं मनोबल में एक निरंतर वृद्धि होती रहे।

शिवपुरी में प्रारंभ हुआ ''नशे से दूरी है जरूरी'' जनजागरूकता अभियान- पुलिस एवं विद्यार्थियों की सहभागिता से निकाली गई जागरूकता रैली

क्यूं न लिखूं सच, राजकुमार शर्मा (कटारे)

शिवपुरी, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशन में तथा

पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड के मार्गदर्शन में जिले में ''नशे से दूरी है जरूरी'' जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक जिलेभर में संचालित किया जाएगा। अभियान के पहले दिन आज शिवपुरी शहर में रैली निकालकर आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया तथा नशामुक्ति का संदेश दिया गया। यह रैली जिला कलेक्ट्रेट परिसर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: समापन स्थल पर पहुंची। रैली में पुलिस विभाग एवं शिक्षा विभाग की सहभागिता रही। विद्यार्थियों ने हाथों में नशे को ना कहो, स्वस्थ युवा, सशक्त भारत, नशा छोड़ो - जीवन जोड़ो जैसे नारों की तख्तियां लेकर जनसामान्य को प्रेरित किया। रैली में उत्कृष्ट विद्यालय शिवपुरी, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, शासकीय कन्या विद्यालय कोर्ट रोड, शा.उ.मा.वि. आदर्श नगर, शा.उ.मा.वि. सदर बाजार एवं बाल शिक्षा निकेतन विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, पुलिस विभाग एवं प्रशासनिक अधिकारी सम्मिलित हुए। जिला कलेक्ट्रेट परिसर में सभी जनमानस को नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई।

मिशन शक्ति एवं हर घर दुर्गा जन जागरूकता अभियान

हर घर दुर्गा व मिशन शक्ति से बेटियों एवं महिलाओं में आत्म रक्षा की भावना... -डॉ श्याम देव

राष्ट्रीय संगठन एंटी क्राईम एंटी करप्शन एवं आयुषी फाउण्डेशन (आयुषेफ) तथा उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आज 15 जुलाई 2025 दिन मंगलवार को आदर्श शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज उत्तरी लोकपुर, नैनी प्रयागराज में हर घर दुर्गा एवं मिशन शक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ श्याम देव अध्यक्ष आयुषी फाउण्डेशन आयुषेफ व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एंटी क्राइम एंटी करप्शन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में मिशन शक्ति प्रभारी पूनम यादव एवं खेल प्रभारी आनन्द राय तथा नैनी थाना से रिशु यादव सब इंस्पेक्टर एवं ज्योति सचान सब इंस्पेक्टर, रानी कश्यप महिला पुलिस द्वारा मिशन शक्ति एवं हर घर दुर्गा जन जागरूकता संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान किया गया। खेल प्रभारी आनन्द राय ने अपनी टीम द्वारा जूडो कराटे कराकर बच्चों में आत्म रक्षा की जानकारी दी। आज के कार्यक्रम में बच्चों को मिशन शक्ति एवं हर घर दुर्गा जन जागरूकता सम्बन्धित जानकारी देने के दौरान क्विज प्रतियोगिता आयोजित किया गया जिसमें एंटी क्राइम एंटी करप्शन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व आयुषी फाउण्डेशन आयुषेफ के अध्यक्ष डॉ श्याम देव, कालेज के प्रबंधक एल बी सिंह, प्रधानाचार्य कुंवर जी तिवारी ने सही जवाब देने वाले कौशिकी मिश्रा, सृष्टि आदि का चयन कर उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयुषी फाउण्डेशन (आयुषेफ) के अध्यक्ष एवं एंटी क्राइम एंटी करप्शन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ श्याम देव, खेल प्रभारी आनन्द राय, मिशन शक्ति प्रभारी पूनम यादव, आकाश जायसवाल यमुनानगर अध्यक्ष, सुमन सिंह साइबर प्रभारी द्वारा थाने से आए सभी सब इंस्पेक्टर एवं सम्मानित प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आज के कार्यशाला में एस पी ठाकुर प्रभारी साइबर सेल उत्तर प्रदेश, सुमन सिंह साइबर सेल प्रभारी, अमृता प्रभारी साइबर सेल महानगर, पूनम यादव मिशन शक्ति प्रभारी महानगर, नवनियुक्त खेल प्रभारी आनन्द कुमार राय प्रयागराज मण्डल, पवन कुमार सोनकर, सफ़ीकुर रहमान आदि उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन आकाश जायसवाल यमुनानगर अध्यक्ष ने किया।

गंगा जमुना का तेजी से बड़ा जलस्तर से मां गंगा ने लेटे हनुमान जी को कराया स्नान. कुलदीप शुक्ला उजाला शिखर

गंगा यमुना के बढ़ते जलस्तर के कारण कछारी इलाकों में रहने वाले लोगों की बड़ी मुश्किले

क्यूँ न लिखूँ सच

पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के कारण प्रयागराज में पिछले कुछ दिन से तेज़ी बढ़ रहे गंगा यमुना के जलस्तर से पूरा संगम क्षेत्र जलमग्न हो गया है । आज सुबह से गंगा यमुना के जलस्तर में तेज़ी से हुई बढ़ोतरी ने सभी के होश उड़ा दिए हैं। ऐसे में बाढ़ का खतरा एक बार फिर मंडराने लगा है। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 81.66 मीटर दर्ज किया गया, वहीं छतनाग में गंगा का जलस्तर 80.51 मीटर रिकार्ड किया गया। लगातार गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण आज दिन में मां गंगा ने लेटे हनुमान जी को स्नान कराया और विधि विधान से पूजा अर्चना करने के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए हैं वहीं घाट पर रहने वाले लोग अब पीछे की ओर आ गए हैं तो संगम के साथ अन्य घाटों पर भी बाढ़ जैसी स्थिति है कछारी इलाकों में रहने वाले लोगों की एक बार फिर से मुश्किलें बढ़ गई।

शामली दिल्ली सहारनपुर रूट की 38 क्रॉसिंग पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

क्यूँ न लिखूँ सच

राकेश गुप्ता

शामली- दिल्ली-सहारनपुर रूट की 38 क्रॉसिंग पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे बागपत, सहारनपुर, गाजियाबाद के भी ध्यानाथ....रेलवे की हाईटेक पहल = हादसों पर लगेगा ब्रेक, कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे, विवादित गेटों पर तैनात होगी आरपीएफ शामली दिल्ली-शामली-सहारनपुर रेलवे मार्ग पर अब हादसों पर लगाम लगाने की दिशा में रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है।केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के निर्देश पर इस रूट की 38 लेवल क्रॉसिंग को जल्द ही सीसीटीवी कैमरों और रिकॉर्डिंग सिस्टम से लैस किया जाएगा। इसके साथ ही रेलवे स्टेशनों पर निगरानी के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किए जाएंगे, जहां से हर गेट की लाइव मॉनिटरिंग की जा सकेगी। रेलवे अधिकारियों ने सभी 38 गेटों की सूची बनाकर उच्चाधिकारियों को भेज दी है और जमीन पर काम की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। यह सुरक्षा कवच न सिर्फ हादसे रोकने में मदद करेगा बल्कि विवादित गेटों पर शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल भी तैनात किया जाएगा। दिल्ली-सहारनपुर रूट के ये 38 क्रॉसिंग होंगे हाईटेक शामली = धीमानपुर, बुढ़ाना, कांधला में दो, थानाभवन दो, हिंड में एक बागपत = अग्रवाल मंडी टटीरी में एक, बड़ौत दो, कासिमपुर खेड़ी में दो, खेकड़ा में दोसहारनपुर = ननौता में दो , रामपुर दो, मनानी में एक दिल्ली एनसीआर = लोनी, शाहदरा क्षेत्र के 19 रेलवे फाटक इन सभी गेटों पर सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी के साथ-साथ स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड और अन्य मानकीकृत उपकरण लगाए जाएंगे।कंट्रोल रूम से सीधी निगरानी गेटों की निगरानी के लिए शामली, कांधला, बागपत रोड,खेकड़ा,हिंड,थानाभवन, लोनी, रामपुर रेलवे स्टेशनों पर कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। ये कंट्रोल रूम सीधे गेट से जुड़े कैमरों की लाइव फीड देख सकेंगे। किसी भी आपात स्थिति में स्टेशन अधीक्षक सीधे गेटमैन से संपर्क कर सकेंगे। विवाद वाले गेटों पर तैनात होगी सुरक्षा फोर्स रेलवअधिकारियों के अनुसार, कुछ गेट ऐसे हैं जहां अक्सर विवाद या ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती है। ऐसे संवेदनशील गेटों की पहचान की जा रही है और वहां अतिरिक्त आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) और होमगार्ड की तैनाती की जाएगी।इन्होंने कहा लेवल क्रॉसिंग को आधुनिक बनाने का कार्य प्राथमिकता पर है। यह पहल दुर्घटनाओं को रोकने में मददगार होगी। जल्द ही काम शुरू करा दिया जाएगा। सभी गेटों पर स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेतक भी मानकों के अनुसार लगाए जाएंगे। -दिलीप कुमार, कार्यकारी निदेशक रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार विभाग

कावड़ यात्रा का अनूठा उत्सव सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में शिव भक्ति का उत्साह

क्यूँ न लिखूँ सच

राकेश गुप्ता

कैराना शामली छोटे-छोटे कावड़िया मंगलवार को अपने भगवान शिव को मनाने के लिए एक अद्भुत कावड़ यात्रा का हिस्सा बने सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल ने अपनी अनूठी परंपरा के तहत इस धार्मिक उत्सव का आयोजन किया जो ने केवल बच्चों के लिए बल्कि पूरे कस्बे के लिए प्रेरणा स्रोत बन गया कावड़ यात्रा का शुभारंभ प्रतिष्ठत व्यापारी प्रमोद गोयल और जयप्रकाश द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया इस दौरान विद्यालय के नन्हे कावड़िया अपने कंधों पर कावड़ उठाएं शिव की भक्ति में ले नौकर आगे बढ़े यात्रा का आयोजन धूमधाम से हुआ जिसमें ढोल नगाड़े और स्कूल के बंद में भक्ति में संगीत से समां बांध दिया यह यात्रा सरस्वती शिशु मंदिर से प्रारंभ होकर चौक बाजार जोड़वा कुआं पुराना बाजार निर्मल चौराहा पटोवाला वाला गुंम्बद शामली बस स्टैंड बेगमपुर से होते हुए पून विद्यालय में संपन्न हुई यात्रा के दौरान भगवान शंकर और माता पार्वती की झांकी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और लोग इस दिव्य उत्सव के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हुए हम बच्चों की मासूमियत और भक्ति के प्रदर्शित किया कि धार्मिक संस्कार और सांस्कृतिक विरासत की अनिवार्यता को में किस प्रकार निभा रहे हैं इस कावड़ यात्रा ने समाज में एकता भाईचारा और शिव भक्ति की भावना को मजबूत किया यह अवसर न केवल बच्चों के लिए बल्कि पूरे समुदाय के लिए एक सशक्त संदेश लेकर आया है कि हम सबको अपनी धार्मिक परंपराओं को जीवित रखना चाहिए इस प्रकार सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल की कावड़ यात्रा ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि जब नन्हे दिलों में भक्ति का संचार होता है तो वह ने केवल खुद को बल्कि समाज को भी एक नई दिशा दे सकता है

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय शामली द्वारा कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

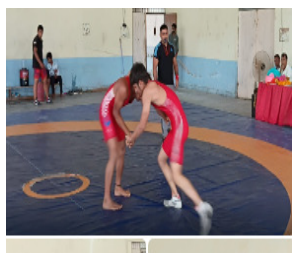

क्यूँ न लिखूँ सच

राकेश गुप्ता

शामली खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय, शामली द्वारा कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन जसाला ग्रामीण स्पोर्ट्स स्टेडियम के कुश्ती हॉल में बालक वर्ग में 10 भार वर्ग में सम्पन्न हुआ। जिसमें जनपद शामली के कुश्ती खिलाड़ियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, शामली श्रीमान मनीष चौहान जी द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। प्रतियोगिता में विजेता/उपविजेता खिलाड़ियों को खेल विभाग द्वारा आकर्षक पुरस्कारों से मुख्य अतिथि द्वारा खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। श्री अश्वनी कुमार त्यागी, उप क्रीड़ाधिकारी, शामली द्वारा मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रशान्त मलिक कुश्ती प्रशिक्षक, प्रदीप चौधरी कुश्ती प्रशिक्षक, गौरव मलिक कुश्ती प्रशिक्षक, अभिषेक कुमार, विनय, मनीष आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। विजेता तथा उपविजेता के परिणाम निम्न है।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान लिसाढ जनपद शामली में आयोजित वृहद रोजगार मेले का शुभारंम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच

राकेश गुप्ता

शामली जनपद शामली में उ0 प्र0 कौशल विकास मिशन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं सेवायोजन कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आज दिनांक 14 जुलाई को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान लिसाढ, जनपद शामली में आयोजित वृहद रोजगार मेले का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी, श्री विनय कुमार तिवारी एंव जिला पंचायत सदस्य, श्री रंधावा मलिक द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकार द्वारा मेले में उपस्थित युवाओं को सम्बोधित किया गया, और सरकार द्वारा संचालित उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत योजनाओं के विषय में बताया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा युवाओं को प्रोत्साहित करते हुये कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेते हुये स्वयं का रोजगार स्थापित करके, दूसरों को नौकरी देने वाले बने।

इस रोजगार मेले में उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, दीन दाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना, राजकीय आई0टी0आई0 एवं डिप्लोमा होल्डर के लगभग 313 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसके सापेक्ष 09 अधिष्ठानों पुखराज हेल्थ केयर, अमर स्पिलिन्ट, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, लाईफ इन्शोरेन्स कॉरपोरेशन, डिक्सन, कैरियर व्हील्स, आदि कम्पनियों द्वारा 117 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया। जिला समन्वयक, उ0प्र0 कौशल विकास मिशन शामली श्री ऋषिपाल सिंह द्वारा सभी अतिथियों और प्रतिभाग करने वाले अधिष्ठानों के प्रतिनिधियों का रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु आभार व्यक्त किया गया। इस रोजगार मेले में लिसाढ, प्रधानाचार्य श्री शिवचरण, कार्यदेशक श्री बिजेन्द्र सिंह, अनुदेशक श्री अमरजीत, जिला कौशल प्रबंधक श्री पवन सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री विकास कुमार टाटा टैक्नोलॉजी अनुदेशक श्री रवि कुमार एवं राजकीय आई0टी0आई0 शामली, सेवायोजन कार्यालय शामली तथा उ0प्र0 कौशल विकास मिशन कार्यालय के समस्त कर्मचारी एवं प्रशिक्षण प्रदाता उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

दो अलग अलग गांवों में मार पीट आधा दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम गमरहटा निवासी धनीराम पटेल पुत्र भाई लाल का आरोप है कि वह तेजपुर गांव से घर वापस आ रहा था कि रास्ते में उसको घेर कर विपक्षी रंजिशन उसे लाठी डंडा से मार कर जख्मी कर दिए। तथा गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। ज़ख़्मी धनीराम पटेल ने मऊआइमा थाने में महेंद्र पटेल,जगत बहादुर विश्वकर्मा, सुरेश कुमार पटेल के ख़िलाफ़ मुक़दमा दर्ज करा दिया है। दूसरी घटना ग्राम घीनपुर निवासी सुजीत कुमार पुत्र प्यारे लाल का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षी एक राय होकर लाठी डंडा लेकर उसे और उसके पिता प्यारे लाल को मारे पीटे और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। सुजीत कुमार ने गांव के नितिन कुमार,अमन कुमार,लालजी पटेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच - पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा अपराध नियंत्रण व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अनुक्रम में श्रीमान नगर पुलिस अधीक्षक नगर महोदय व श्रीमान क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष श्री राकेश कुमार सिंह थाना कोतवाली नगर जनपद बहराइच के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 15.07.2025 को उ0नि0 रविन्द्र प्रसाद मय हमराह आरक्षीगण के द्वारा मुखबिर की सूचना पर पंजीकृत मु0अ0सं0 139/2025 धारा 303(2)/317(2) BNS से सम्बन्धित वांछित 01 नफर अभियुक्त बबूल चौरसिया पुत्र लल्लू चौरसिया निवासी फतेहपुर माफीन थाना कोतवाली नगर जनपद बहराइच को ए0आर0टी0ओ0 निकट पावर हाउस से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त को नियमानुसार विधिक कार्यवाही पूर्ण कर पुलिस अभिरक्षा में मा0 न्यायालय रवाना किया गया।

01 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच - शैलेन्द्र कुमार पांडेय

आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

कांग्रेस का सृजन कार्यक्रम कनासी गांव में सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच - राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) कांग्रेस पार्टी का सृजन कार्यक्रम के तहत आज नदीगांव ब्लॉक के ग्राम कनासी में सम्पन्न हुआ इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के जालौन जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह सेंगर जिला महासचिव अनिल पटेरिया प्रभारी नदीगांव राम किशोर पुरोहित प्रभारी नदीगांव सुधीर शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष नदीगांव कॉग्रेस के जमीनी दिग्गज नेता डॉक्टर जय प्रकाश शुक्ला मौजूद रहे इस बैठक में पार्टी नेता राजीव नारायण मिश्रा सिद्दार्थ देवलिया एवं चित्रांगद पाण्डेय रेडर सुधीर शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष प्रवेश कुमारी पांडेय अंजू शर्मा राजेंद्र बोहरे आदि ने अपने अपने विचार रखे और पार्टी को मजबूत करने की बात कही है इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह सेंगर ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता ओ के मान सम्मान के लिये वह जिलाध्यक्ष बने है पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान मिले यही उनकी मंशा है

Does your skin also become sticky in monsoon? Follow these 5 tips for an oil-free look

Due to humidity and moisture in the monsoon, stickiness in the skin increases, due to which the skin looks lifeless. Applying cucumber juice cools the skin and removes stickiness. Washing the face three to four times a day reduces sweating and reduces the risk of infection. The weather becomes pleasant as soon as the monsoon arrives. However, the risk of many diseases increases. The skin also needs extra care. The weather becomes very pleasant as soon as the monsoon arrives. When the rain showers fall amidst the scorching heat, the body and mind get relaxed. Although this season provides relief from the heat, it also brings many diseases with it. During this time, one has to take extra care of food. At the same time, skin related problems also increase in the rainy season. Let us tell you that due to increased humidity and moisture in the environment, our skin gets damaged. Stickiness in the skin also increases a lot. Due to this, our skin starts looking lifeless. Many times girls start feeling embarrassed due to this. Our article today is on this topic. If you are also facing this problem, then we are going to give you some such tips which you must follow. Let's know about those tips in detail - Apply cucumber juice It is forbidden to eat cucumber in monsoon, but you can apply its juice on the face. It is no less than a boon for your skin. This will cool your skin. Along with this, the problem of stickiness will also go away. Cucumber juice can be applied on the face once a day. Wash face three to four times- If your skin becomes sticky, then you should wash your face at least three to four times in monsoon. This will reduce sweating. Also, there will be no risk of infection. Follow these tips when you come from outside. Apply Multani Mitti- To get relief from sticky skin, you can take the help of Multani Mitti. Actually, it cools our skin. Also, it absorbs extra oil from the skin. This also makes our skin look glowing. It can be applied two days a week. Do scrub- Scrubbing is a must in monsoon. This removes dead skin cells easily. Apart from this, it also gets rid of the problem of oily skin. You can scrub once a week. Avoid heavy makeup- Let us tell you that light makeup should always be done in monsoon. Actually, makeup can become sticky due to humidity during the rainy season. If you use light makeup, your skin will not look sticky.

Never mention these 3 things in front of children, you will unknowingly become the enemy of their innocence

Elders have always said that it is very important to speak thoughtfully in front of children. This is because our words leave a deep impression on their innocent hearts. Yes, if you also want to give your child a happy and safe childhood, then do not mention the 3 things mentioned here in front of them even by mistake. Many people say anything in front of children. This can also have a bad effect on their mind. There are some things that should be kept secret from children. Children are true at heart, their world is full of innocence and imagination. Many times we unknowingly say such things in front of them, which can have a bad effect on their lovely world. These things not only hurt their innocent hearts, but can also have a bad effect on their self-confidence and way of thinking. Let us know such 3 things, which should never be mentioned in front of children, otherwise you will unknowingly become the enemy of their innocence. Unnecessary mention of financial problems - There may be a shortage of money at home, but crying about it repeatedly in front of children or making them feel that even their smallest wishes cannot be fulfilled can make them feel insecure. This can create anxiety and inferiority complex in their mind. It is okay to give them general information about the financial situation according to their age, but it is wrong to taunt them with 'there is no money' on every matter. Partner's quarrels or differences - sourness or fights in the relationship of parents can happen in every house, but expressing them in front of children can disturb their mental peace. Children consider their parents as a safe haven, and the fight between them can scare them. This can create a feeling of insecurity in their mind and they can get stressed. Resolve your differences away from children. Comparison with other children- Things like "Look how well Sharmaji's son studies," or "Your sister is so simple," hurt children's self-confidence badly. Every child is special in his own way and has his own abilities. Comparison with others creates jealousy, inferiority complex and self-doubt in the child's mind. Therefore, motivate them and appreciate their strengths.

5 habits of yours are ruining your health unknowingly, you can't even imagine how much harm is happening

Have you ever wondered how some of your everyday habits that you probably ignore are slowly hollowing out your health from inside? Let us tell you that these seemingly minor habits can cause great harm in the future. Let us know today about those 5 habits from which you should immediately stay away. Some changes are necessary to improve health. 5 everyday habits are no less than an enemy for your health. By staying away from them in time, you can live a healthy life. Do you know that some of our everyday habits (Unhealthy Habits), even if they seem small to us, are slowly causing great harm to our health? Often we ignore them, thinking that "it doesn't matter" or "we will see later", but these habits can reduce your energy, your happiness and even your longevity. Let's know about 5 such habits, which you should get rid of today. Compromise with sleep In today's busy life, sleep is often ignored first. We think that "let's finish the work now, we can get enough sleep later", but this is a big misconception. Continuously getting less sleep is like poison for your body. Not only does it make you feel tired, but it also increases your risk of heart diseases, diabetes and burnout manifold. Good sleep is very important for both your body and mind. Sitting for hours Do you spend most of your time sitting on a chair or lying on the sofa? If yes, then be careful! Sitting for hours is harmful for your health. It slows down your metabolism, which leads to weight gain. Apart from this, back pain, stiff neck and even heart related problems can also arise. Get up a little, walk around, and give your body movement. Ignoring stress Nowadays stress has become a part of everyone's life. We often ignore it as "normal", thinking "it's just the way it is", but doing so can be very dangerous for you. Long-term stress weakens your heart and immune system. In such a situation, recognize this stress and find ways to reduce it. Eating on the go - Eating fast food or not eating on time, these habits are hollowing out your body from within. When you eat in a hurry or unhealthy food, it disturbs your blood sugar level, reduces your energy and in the long run it has a bad effect on your health. Saying 'yes' to everything - Are you one of those people who say 'yes' to everything, even if you don't have time? If so, then you are pushing yourself closer to burnout. Saying 'yes' to everything leaves you with no time for yourself, your needs and your health. Remember, learning to say 'no' is also an art and it is very important for your mental health.

Priyanka Chopra ordered gourd from 'Phulera' village, turned out to be a fan of Banaras instead of Pradhan ji

The Panchayat 4 series was released on Prime Video last month. The echo of everyone's favorite series in India was heard abroad as well. Priyanka Chopra was so impressed with Pradhan ji that she even called Raghuvendra vegetables from Phulera village on a call. These vegetables were ordered from Chopra is colored in the colors of in India. So far, 4 seasons of it have been a fun video of Priyanka Chopra, who has viral on the internet with the former tells her problem to Pradhan ji on a video village. Fans are also expressing their a video call to Pradhan Ji- In this video Panchayat office and watching Priyanka the actress' action that he says to the Meanwhile, Pradhan Ji gets a video call seen your film...should we call you Ji tells Priyanka that the whole of gourd for her as it is not available in New Priyanka, speaking the dialogue of us from Phulera. Then the sound of a in-law, are you seeing who we are talking him that I have seen the elections, you Yadav. During this, Priyanka Chopra also ordered some video call. Priyanka Chopra talked to Pradhan ji on a video Pradhan ji in Europe from Phulera village. Priyanka Panchayat 4. Panchayat is almost everyone's favorite show released and all four have been loved by the fans. Recently, traveled from Desi Girl to Global Icon, is becoming very Pradhan of the Panchayat, Brij Bhushan Dubey. Priyanka call and asks him to send a lot of vegetables from Phulera reaction on this fun video of both. Priyanka Chopra made going viral on social media, Pradhan Ji is sitting in the Chopra's new film 'Heads of State'. He is so impressed with secretary, 'Look what Priyanka Bitiya has done'. from Priyanka. In the video, he tells Priyanka that we have Priyanka Bitiya or Agent Novel Sink. As soon as Pradhan Phulera is proud of you, the actress requests him to send York. Pradhan Ji asks the actress for her address, then Banaras, says that Binod is seeing that gourd is coming for buffalo comes and Pradhan Ji says in style... I am father-to. How would you know, you are a buffalo. Priyanka tells are my favourite, which makes Pradhan ji laugh. Fans are liking this collaboration of both Heads of State and Panchayat 4 very much. Fans gave such reactions on the viral video- Fans are also making funny comments on this video. One user wrote, "Pradhan ji is in his character, but Priyanka it seems like AI is speaking". Another user wrote, "Wow what a collaboration, Desi girl with our Pradhan ji". Another user wrote, "Even after losing the election, Pradhan ji's dominance remains".

These 7 films were banned in theaters due to controversy, these thrillers were widely watched on OTT

At present, there has been a lot of controversy in India regarding the release of Sardar Ji 3 and Udaipur Files. This is not the first time, even before this there have been many such controversial films which were not released in theaters. But these movies were widely watched on the OTT platform. These controversial movies present on OTT There was a ruckus over the release of these films. John Abraham's film is also in the list. Due to working with Pakistani actress Hania Aamir, Diljit Dosanjh's film Sardar Ji 3 was not released in Indian theaters. After this, now the release of Udaipur Files, a movie based on a true incident by comedian actor Vijay Raj, has also been banned. In such a situation, today we are going to tell you about those films which were never released in Indian theaters. But these controversial movies are present on OTT and have been widely watched. Angry Indian Goddesses This was a film in which so many cuts were made by the censor board that the makers did not want to release it in theaters again. The reason for the controversy of Angry Indian Goddesses was the objectionable scenes in the film and tampering with the pictures of God. However, this movie is available on the OTT platform Netflix. Unfreedom Director Raj Amit Kumar's film Unfreedom was banned in Indian cinema for promoting bold and lesbian content. The censor board asked to make changes in it, which the makers did not agree to. You can watch it on the OTT platform Netflix and YouTube. Water John Abraham starrer film Water's name is also included in this list. This movie was made keeping in mind the evil practices of child widowhood. But the censor board did not give the green signal to its release. You can easily watch this film on YouTube. Fire The sensitive issue of homosexuality was shown in the film Fire, which became the reason for its controversy. Due to this, it was not released in theaters. If you want to watch Fire, you can watch it online on YouTube and Apple TV +. Parzania The name of Hindi cinema veteran actor Naseeruddin Shah's film Parzania is also included in this list. The reason for this was to show the mention of Gujarat riots in the film. This film, which was never released in theaters, is available on the OTT platform Jio Hotstar. Black Friday Popular director Anurag Kashyap's film Black Friday could also never be released in Indian theaters. The reason for this was that this movie is based on the bomb blasts in Mumbai in 1993. You will get to watch it on Jio Hotstar. Bandit Queen Director Shekhar Kapur's film Bandit Queen, who made all-time blockbuster films like Mr. India, ran in Indian theaters for a few days and was later banned. You can watch this biopic of female bandit Phoolan Devi on the OTT platform Amazon Prime Video.

From Superboys of Malegaon to Paatal Lok 2, these films and series got nominations

The list of nominations has been released in the Indian Film Festival of Melbourne. Abhishek Bachchan, Adarsh ??Gaurav and Ishaan Khattar have been nominated for Best Actor. At the same time, there is a competition between Khan for Best Actress. Let's see the full list released These actors and actresses got made a place in the list Awards also have a most of the popular film awards concerts Film Festival of Melbourne has come in the nominations for this has been released. Let's function. The list of nominations for this has in the award function. Best Actor (Male) Superboys of Malegaon Ishaan Khattar – – The Fable Mohanlal – L2 Empuran Vishal Actress Award Anjali Sivaraman – Bad Girl Angammal Kareena Kapoor Khan – The Fatima (Feminist Fatima) Sharmila Tagore – Bakhsho Bondi (Shadowbox) Best Web Factory Season 3 Manorathangal Paatal CA Topper Best Web Series Actor (Female) Nimisha Sajayan – Dabba Cartel Parvathy Anjali Sivaraman Bhanita Das and Kareena Kapoor of awards. List of Indian Film Festival of Melbourne nominations in the award function These top series also special significance in the film world. Veteran actors reach and their films and series get awards. Now the Indian discussion. Recently the list of stars and films getting see the full list here. Everyone waits for this award come out and it has been known whose name can shine Abhishek Bachchan – I Want to Talk Adarsh Gourav – Homebound Junaid Khan – Maharaj Manoj Bajpayee Jethwa – Homebound Gugun Kipgen – Boong Best Bhanita Das – Village Rockstars 2 Geetha Kailasam – Buckingham Murders Shamla Hamza – Feminichi – Puratav Shraddha Kapoor – Stree 2 Tillotama Shome Series Black Warrant Eleven Eleven Khauff Kota Lok Season 2 Thallivattam Palayam Tribhuvan Mishra Ananya Panday – Call Me Bae Monica Panwar – Khauff Thiruvothu – Manorathangal Rasika Duggal – Mirzapur Season 3 Shabana Azmi – Dabba Cartel Tillotamma Shome – Tribhuvan Mishra CA Topper Best Actor (Male) – Web Series Abhishek Kumar – Thalaivitiyaan Palayam Best Director Aranya Sahay – Manav Chakravyuh Laxmipriya Devi – Boong Neeraj Ghaywan – Homebound Onir – Hum Faheem Aur Karun Hain Reema Kagti – Superboys of Malegaon Reema Das – Village Rockstars 2 Varsha Bharath – Bad Girls Vipin Radhakrishnan – AngammalBest Actor Web Series Ali Fazal – Mirzapur Season 3 Jaideep Ahlawat – Paatal Lok Season 2 Jitendra Kumar – Kota Factory Season 3 Mammootty – Manorathangal Manav Kaul – Tribhuvan Mishra CA Topper Jahaan Kapoor – Black Warrant